This question paper contains 16 printed pages.

Your Roll No. ....

FC

Sl. No. of Ques. Paper	**: 6616**
Unique Paper Code	**: 22411101**
Name of Paper	**: Financial Accounting**
Name of Course	**: B.Com. (Hons.) (CBCS)**
Semester	**: I**
Duration :	**: 3 hours**
Maximum Marks	**: 55**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt **all** questions. Show your working notes clearly.*

***सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। अपनी गणनायें स्पष्टतया दर्शाइये।*

1. State with reasons whether the following statements are true or false:

(a) Accrual concept implies accounting on cash basis.

(b) Prudence is a concept to recognise unrealised profits and not losses.

(c) Any expenditure which is unreasonably large is capital expenditure.

(d) Heavy advertising expenditure to introduce a new product is revenue expenditure.

(e) All assets and liabilities not taken over by the vendee company are transferred to capital accounts of the partners.

कारण सहित बताइए कि निम्न कथन सत्य हैं अथवा असत्य:—

(a) उपार्जन अवधारणा, रोकड़ आधारित लेखांकन को निर्दिष्ट करती है।

(b) विवेक की अवधारणा अप्राप्त लाभों को मान्यता देती है न कि हानियों को।

(c) ऐसा व्यय जो असाधारण रूप से अधिक हो, पूंजीगत व्यय होता है।

(d) नए उत्पाद को बाज़ार में प्रस्तुत करने के लिए किया गया अतिमात्र विज्ञापन व्यय, राजस्व व्यय होता है।

P. T. O.

(e) ऐसी सभी सम्पत्तियों तथा देयताओं को, जिन्हें खरीददार कम्पनी ने नहीं लिया हो, साझेदारों के पूंजी खातों में अंतरित कर दिया जाता है। 5

2. (a) Explain: (i) The depreciable cost and (ii) Two reasons for charging depreciation on tangible fixed assets.

व्याख्या कीजिए:

(i) ऐसी लागत जिस पर मूल्यह्रास लगाया जा सके।

(ii) वास्तविक अचल सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास लगाने के दो कारण। 2

(b) Ajay purchased on 1st Jan 2012 certain machinery for Rs. 1,94,000 and spent Rs. 6,000 on its erection. On 1st July 2012 additional machinery costing Rs. 1,00,000 was purchased. On 1st July 2014, the machinery purchsed on 1st Jan 2012 having become obsolete was auctioned for Rs. 1,00,000 and on the same date new machinery was purchased at a cost of Rs. 1,50,000. Depreciation was provided annually on 31 Dec. at the rate of 15% p.a. on the W.D.V. of the machinery. No depreciation need to be provided when a machinery is sold or auctioned, for that part of the year in which sale or auction took place. But for the rest of the machinery, depreciation is provided on time basis. In 2015, however, Ajay changed this method of providing depreciation and adopted the method of writing off 10% p.a. on the original cost of the machinery with effect from 1 Jan., 2012.

Show Machinery Account for the accounting years 2012 to 2015.

अजय ने 1 जनवरी, 2012 को एक मशीन रु० 1,94,000 की खरीदी तथा उसे स्थापित करने में रु० 6,000 खर्च किए। 1 जुलाई, 2012 को रु० 1,00,000 लागत की अतिरिक्त मशीन खरीदी गई। 1 जुलाई, 2014 को वह मशीन जिसे 1 जनवरी, 2012 को खरीदा गया था, प्रयोग में लाने योग्य न रहने पर, नीलामी में रु० 1,00,000 में बेच दिया गया तथा उसी दिन रु० 1,50,000 लागत वाली नई मशीन खरीद ली गई। मूल्यह्रास 15% वार्षिक की दर से घटते मूल्य पर प्रति वर्ष 31 दिसम्बर को लगाया जाता है। यदि कोई मशीन बेच दी गई हो अथवा नीलाम कर दी गई हो तो उस पर वर्ष के उस हिस्से पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाएगा जिसमें उस मशीन को बेचा या नीलाम किया गया है। लेकिन अन्य मशीनों पर समयानुसार मूल्यह्रास लागू रहेगा। तथापि वर्ष 2015 में अजय ने मूल्यह्रास की इस विधि को परिवर्तित कर, 1 जनवरी 2012 से प्रभावी, मूल लागत का 10% वार्षिक मूल्यह्रास लगाना अपना लिया है।

लेखा वर्ष 2012 से वर्ष 2015 तक मशीन खाता बनाइये। 8

Or **(अथवा)**

(a) Distinguish between perpetual and periodical system of inventory valuation.

इन्वेन्टरी मूल्यांकन की सामयिक तथा सतत मूल्यांकन पद्धतियों में अन्तर्भेद कीजिये।

(b) The following are the details of raw material of Shyam Ltd.

1–1–2015	Opening stock	Nil
1–1–2015	Purchases	100 units @ Rs. 30 per unit
15–1–2015	Issued for consumption	50 units
1–2–2015	Purchases	200 units @ Rs. 40 per unit
15–2–2015	Issued for Consumption	100 units
20–2–2015	Issued for consumption	100 units
1–3–2015	Purchases	150 units @ Rs. 50 per unit
15–3–2015	Lose by fire	100 units

Find out the value of stock as on 31–3–2015 if the company follows perpetual inventory method on FIFO basis and on LIFO basis.

श्याम लि० के कच्चे माल का विवरण इस प्रकार है:—

01–01–2015	आरम्भिक स्टॉक	शून्य
01–01–2015	क्रय किया	100 इकाई @ रु० 30 प्रति इकाई
15–01–2015	उपयोग के लिए जारी	50 इकाई
01–02–2015	क्रय किया	200 इकाई @ रु० 40 प्रति इकाई
15–02–2015	उपयोग के लिए जारी	100 इकाई
20–02–2015	उपयोग के लिए जारी	100 इकाई
01–03–2015	क्रय किया	150 इकाई @ रु० 50 प्रति इकाई
15–03–2015	आग लगने पर क्षतिग्रस्त	100 इकाई

यदि सतत इन्वेन्टरी पद्धति का कम्पनी द्वारा पालन किया जाता हो तो FIFO तथा LIFO के आधार पर, 31–03–2015 के दिन, स्टॉक का मूल्य ज्ञात कीजिए। 8

3. Following is the Income and Expenditure A/C of the Rohini Sports Club for the year ended 31–3–2015:—

You are required to prepare (i) Receipts and Payment account for the year ended 31–3–2015 and (ii) Balance Sheet as on the date.

Income & Expenditure A/c for the year ended 31–3–2015

xpenditure	Rs.	Income	Rs.
alaries	24,000	Subscriptions	72,000
.ent	10,800	Entrance fees	8,000
.ates and Taxes	600	Surplus on publication of brochure	4,500
ostage & Telephone	720	Profit on sales of old sports assets	1,200
ffiliation fees to lawn ennis federation	1,200	Interest on 5% investment	600
ports materials	15,750	Miscellaneous income	225
lectricity charges	1,200		
epairs & Mainte- ance of tennis court	9,600		
epreciation on assets 10% of book value the end of the year	4,800		
urplus	17,855		
	86,525		86,525

The following further information is made available: –

		31–03–2014 Rs.	31–03–2015 Rs.
	Sundry assets (including sports goods)	44,000	?
	Bank balance	4,800	?
	Subscriptions in arrear	4,750	3,500
	Subscriptions received in advance	1,400	2,600
	5% Investments	12,000	12,000
	Expenses outstanding:		
	(a) Salaries	600	1,200
	(b) Rent	900	1,800
	(c) Rates and Taxes	Nil	600
	(d) Tennis court maintenance	780	320

7.	Outstanding for purchases of sports material	1,400	2,950
8.	Prize fund	4,600	3,250

9. The book value as on 1–4–2014 of sports goods sold during the year was Rs. 4,00(

10. Prize fund is separat.ly maintained – all receipts being credited to it separate and expenditure met out of the fund directly. During the year credits to tl account amounted to Rs. 2,800.

11. Interest received this year was only for two quarters.

12. The club was admitted as a member of the lawn tennis federation on 1–10–201 when it paid subscription till 30–9–2015.

13. Advertisement charges in brochure yet to be collected Rs. 450.

14. A fixed deposit of Rs. 25,000 was made on 31–3–2015.

31–03–2015 को समाप्त वर्ष के लिए, रोहिणी स्पोर्ट्स क्लब के आय तथा व्यय खाते का ब्यौ नीचे दिया गया है। प्रदत्त खाते तथा सूचना के आधार पर:—

(i) 31–03–2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति तथा भुगतान खाता तैयार कीजिए तथा

(ii) उसी तिथि को तुलन-पत्र भी बनाइये।

व्यय	रु०	आय	रु०
वेतन	24,000	अंशदान	72,00
किराया	10,800	प्रवेश शुल्क	8,00
रेट्स तथा टैक्स	600	विवरणिका के प्रकाशन पर बचत	4,50
पोस्टेज तथा टेलिफोन	720		
लॉन टैनिस फेडरेशन को संबद्धता शुल्क दिया		पुरानी खेल सम्पत्तियों के विक्रय पर लाभ	1,20
स्पोर्ट्स सामग्री	15,750	5% निवेश पर ब्याज	60
बिजली व्यय	1,200	विविध आय	22
टेनिस कोर्ट की मरम्मत तथा रख-रखाव	9,000		
सम्पत्तियों पर वर्ष के अन्त में उपलब्ध पुस्तकीय मूल्य पर 10% मूल्यह्रास	4,800		
अधिशेष	17,855		
	86,525		86,52:

P. T. C

अधोलिखित अतिरिक्त विवरण भी उपलब्ध है:—

		31–03–2014	31–03–2015
		रु०	रु०
1.	विविध सम्पत्तियाँ (खेल सामग्री सहित)	44,000	?
2.	बैंक बैलेन्स	4,800	?
3.	अदत्त अंशदान	4,750	3,500
4.	अग्रिम प्राप्त अंशदान	1,400	2,600
5.	5% निवेश	12,000	12,000
6.	अदत्त व्यय:		
	(a) वेतन	600	1,200
	(b) किराया	900	1,800
	(c) रेट्स तथा टैक्स	शून्य	600
	(d) टैनिस कोर्ट का रख-रखाव	780	320
7.	खेल सामग्री की अदत्त खरीद	1,400	2,950
3.	पुरस्कार निधि	4,600	3,250

'. वर्ष के दौरान बेची गई खेल सामग्री का 01–04–2014 को पुस्तकीय मूल्य रु० 4,000 था।

0. पुरस्कार निधि को अलग से रखा गया है— सभी प्राप्तियाँ उसमें जमा की जाती हैं तथा सभी खर्चे सीधे वहीं से किये जाते हैं। वर्ष के दौरान इस मद में रु० 2,800 जमा हुये।

1. इस वर्ष प्राप्त ब्याज, मात्र दो तिमाहियों के लिये है।

2. क्लब टैनिस फेडरेशन का सदस्य 01–10–2014 को बना और 30–09–2015 तक का सदस्यता शुल्क भुगतान कर दिया गया।

3. विवरणिका में छपे विज्ञापन के रु० 450 अभी आने शेष हैं।

4. रु० 25,000 का सावधि जमा 31–03–2015 को कराया गया। 10

Or (अथवा)

(a) What is a contingent liability? Give three examples of contingent liabilities.
आकस्मिक देयता क्या होती है? इसके कोई **तीन** उदाहरण दीजिए। 2

(b) The following Trial Balance has been prepared from the books of Mr. S, as on 31–3–2015 after making necessary adjustments for depreciation of fixed assets, outstanding and accrued items and placing the difference under suspense account.

Trial Balance

Particulars	*Rs.*	*Particulars*	*Rs.*
Machinery	1,70,000	Sundry Creditors	82,000
Furniture	49,500	Capital A/c	2,45,750
Sundry Debtors	38,000	Outstanding Exps:	
Drawing	28,000	Salaries	1,500
Travelling Exps.	6,500	Printing	600
Insurance	1,500	Audit Fees	1,000
Audit fees	1,000	Bank interest	1,200
Salaries	49,000	Discount	1,800
Rent	5,000	Sales less returns	6,80,000
Cash in hand	7,800		
Cash at Bank	18,500		
Stock in trade on (1–4–2014)	80,000		
Prepaid insurance	250		
Miscellaneous Exps	21,200		
Discount	1,200		
Printing and stationary	1,500		
Purchases less returns	4,60,000		
Depreciation:			
On machinery	30,000		
On furniture	5,500		
Suspense A/c	39,400		
	10,13,850		10,13,850

On a subsequent scrutiny the following mistakes were noticed:

(1.) A new machinery was purchased for Rs. 50,000 but the amount was wrongly posted to furniture account as Rs. 5,000.

(2.) Cash received from debtors Rs. 5,600 was omitted to be posted in the ledger.

(3.) Goods withdrawn by the proprietor for personal use but no entry was passed Rs. 5,000.

(4.) Sales included Rs. 30,000 as goods sold for cash on behalf of Mr. T who allowed 15% commission on such sales for which effect is to be given.

(5.) Closing stock on physical verification amounted to Rs. 47,500.

(6.) Depreciation on machinery and furniture has been provided @ 15% and 10% respectively on reducing balance system.

Full years depreciation is provided on addition.

You are requested to prepare Trading and Profit and Loss A/c for the year ended 31-3-2015 and Balance Sheet as on that date so as to represent a true and correct picture.

स्थाई सम्पत्तियों पर आवश्यक ह्रास, अदत्त व अर्जित मदों का समुचित समायोजन करने के बाद तथा अंतर को सस्पेन्स खाते में रखने के बाद श्री S की पुस्तकों से 31-03-2015 को निम्न परीक्षण तालिका तैयार की गई है:—

ब्यौरे	रु०	ब्यौरे	रु०
मशीनें	1,70,000	विभिन्न लेनदार	82,000
फर्नीचर	49,500	पूँजी खाता	2,45,750
विभिन्न देनदार	38,000	अदत्त व्यय :	
आहरण	28,000	वेतन	1,500
यात्रा व्यय	6,500	मुद्रण	600
बीमा व्यय	1,500	ऑडिट फीस	1,000
ऑडिट फीस	1,000	बैंक का ब्याज	1,200
वेतन	49,000	छूट	1,800
किराया	5,000	वापसी घटाने के बाद विक्रय	6,80,000
नकदी	7,800		
बैंक	18,500		
व्यापार में स्टॉक (1-4-2014)	80,000		
पूर्वदत्त बीमा	250		
विविध व्यय	21,200		
छूट	1,200		

मुद्रण तथा स्टेशनरी	1,500		
वापसी घटाने के बाद क्रय	4,60,000		
मूल्यह्रास :			
मशीनों पर	30,000		
फर्नीचर पर	5,500		
सस्पेन्स खाता	39,400		
	10,13,850		10,13,850

बाद में की गई पड़ताल से अधोलिखित ग़लतियों का पता चला:

(1.) रु० 50,000 में खरीदी गई नई मशीन को गलती से फर्नीचर खाते में रु० 5,000 से पोस्ट कर दिया गया।

(2.) देनदारों से प्राप्त रु० 5,600 नकदी को लैजर में पोस्ट करने में चूक हो गई।

(3.) रु० 5,000 मूल्य का माल स्वामी द्वारा व्यक्तिगत प्रयोग के लिए लिया किन्तु उसकी को: प्रविष्टि नहीं की गई।

(4.) विक्रय की राशि में श्री T की ओर से रु० 30,000 में नगद बेचा गया माल सम्मिलित है जबकि उस विक्रय पर 15% कमीशन मिलना था और उसे ही पुस्तकों में रिकॉर्ड करना था।

(5.) भौतिक सत्यापन पर अन्तिम स्टॉक रु० 47,500 पाया गया।

(6.) मशीनों तथा फर्नीचर पर क्रमिक घटते शेष पद्धति द्वारा क्रमशः 15% तथा 10% दर से मूल्यह्रास लगाया गया है।

वर्ष के दौरान नई खरीद पर भी पूरे वर्ष का मूल्यह्रास लगेगा। आप, 31–03–2015 को समाप्त वर्ष के लिए, ऐसा व्यापार तथा लाभ-हानि खाता और उसी तिथि का ऐसा तुलन-पत्र तैयार करें जो व्यवसाय का सही तथा वास्तविक चित्रण करे। 8

4. (a) Distinguish between financial lease and operating lease.

वित्तीय पट्टा तथा परिचालन पट्टे में अन्तर्भेद कीजिए। 2

(b) A Ltd. purchased on 1st Jan 2014 from M/s SK Traders four machines having cash price of Rs. 8,00,000 each on hire purchase basis. The payment was to be made as follows: –

10% of cash price down.

25% of cash price at the end of each of the following four years.

P. T. O.

A Ltd. paid the first instalment but failed to pay the second instalment due on 31st Dec. 2015. M/s SK Traders repossessed three machines leaving remaining one machine with the buyer. The value of three machines was taken at cost less depreciation @ 20% p.a. on reducing balance method. A Ltd. charges depreciation @ 10% p.a. on reducing balance method on 31st Dec. every year. M/s SK Traders spent Rs. 4,20,000 on overhauling of machines repossessed and sold two of the repossessed machines for Rs. 12,00,000.

Prepare necessary accounts in the books of both the parties.

1 जनवरी, 2014 को *A* लिमिटेड ने मैसर्स एस०के० ट्रेडर्स से किराया-क्रय आधार पर चार मशीनें खरीदीं जिनमें से प्रत्येक का नगद मूल्य रु० 8,00,000 है। भुगतान इस प्रकार करना था— नगद मूल्य का 10% तुरन्त भुगतान तथा नगद मूल्य का 25% प्रतिवर्ष आगामी चार वर्षों के अंत में। *A* लि० ने प्रथम किश्त का भुगतान कर दिया किन्तु 31 दिसम्बर, 2015 को देय किश्त वे नहीं दे पाए। एस०के० ट्रेडर्स ने एक मशीन क्रेता के पास छोड़ते हुए तीन ज़ब्त कर लीं। क्रमिक घटते मूल्य पद्धति के अनुसार लागत पर 20% मूल्यह्रास लगाने के बाद उन तीनों मशीनों का मूल्य तय किया गया। *A* लि० प्रतिवर्ष 10% वार्षिक की दर से क्रमिक घटते मूल्य के आधार पर मूल्यह्रास लगाते हैं। एस० के० ट्रेडर्स ने ज़ब्त की गई मशीनों के जीर्णोद्धार पर रु० 4,20,000 खर्च किए तथा उनमें से दो मशीनों को रु० 12,00,000 में बेच दिया। 8

Or (अथवा)

(a) Distinguish between Hire Purchase system and Instalment Purchase system.

किराया-क्रय पद्धति तथा किश्त पर क्रय पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए। 2

(b) R.C. Sales Corrporation has a hire purchase department. Goods are sold on hire purchase at cost plus 25%.

From the following particulars, prepare the ledger accounts by Stock and Debtors Method:—

	Rs.
Stock with hire purchase customers at selling price on 1–4–2014	15,000
Instalments due (customers paying) on 1–4–2014	1,800
Sales on hire purchase basis during the year ended 31–3–2015 at selling price	96,500
Cash received during the year	98,300
Goods repossessed (instalment due Rs. 2,000) valued at	1,700
Instalment due (customers still paying) on 31–3–2015	1,100

आर०सी० सेल्स कार्पोरेशन का एक किराया-क्रय विभाग है जिसके माध्यम से लागत में 25% जोड़ कर माल बेचा जाता है।

आगे दिए गए ब्यौरे से 'स्टॉक तथा डेटर' पद्धति से लैजर खाते तैयार कीजिए: 8

	रु०
किराया-क्रय ग्राहकों के पास विक्रय मूल्य पर स्टॉक 01-04-2014	15,000
देय किश्तें (और ग्राहक दे रहे हैं) 01-04-2014 को	1,800
31-03-2015 को समाप्त वर्ष के दौरान, विक्रय मूल्य पर माल, किराया क्रय पद्धति पर बेचा गया	96,500
वर्ष के दौरान नगद प्राप्तियाँ	98,300
ज़ब्त माल (जिस पर अदत्त किश्त रु० 2,000) का तय मूल्य	1,700
देय किश्तें (और ग्राहक दे रहे हैं) 31-03-2015 को	1,100

5. (a) Distinguish between a "Dependent Branch" and an "Independent Branch".

'आश्रित शाखा' तथा 'स्वतंत्र शाखा' में अन्तर्भेद कीजिए। 2

(b) T Ltd. has two Branches at Delhi and at Bombay. Goods are invoiced to branches at cost plus 50%. Goods are transferred by/to another branch at its cost. Following information is available of the transactions of Delhi Branch for the year ended 31-3-2015: –

		Rs.
1.	Opening stock at I.P.	2,67,000
2.	Goods sent to branch (including goods invoiced at Rs. 15,000 to branch on 31st March 2015 but not received by branch before the close of the financial year)	7,83,000
3.	Goods received from Bombay Branch	6,000
4.	Goods transferred to Bombay Branch	51,000
5.	Goods returned by branch to H.O.	11,700
6.	Goods returned by credit customers to branch	5,700
7.	Goods returned by credit customers directly to H.O.	1,200
8.	Agreed allowance to customers off the selling price (already taken into account while invoicing)	1,000
9.	Normal loss due to wastage and deterioration of stock (at cost)	1,000

10.	Loss in transit (at invoice price) Rs. 6,600 against which a sum of Rs. 4,000 was recovered from insurance company in full settlement of the claim.	
11.	Cash sales Rs. 32,000 and credit sales Rs. 7,29,400.	
12.	Branch expenses (including insurance charges) Rs. 50,000	
13.	Bad debts Rs. 1,000 and discount allowed to customers Rs. 500.	

Prepare Branch Stock A/c, Branch Adjustment A/c and Branch P&L A/c, if the closing stock at branch at its cost as per physical verification amounted to Rs. 2,00,000.

टी लिमिटेड की दिल्ली तथा मुम्बई में दो शाखाएँ हैं। शाखाओं को माल, लागत जमा 50% के बीजक मूल्य पर प्रेषित किया जाता है। शाखा द्वारा/को माल उसकी लागत पर अंतरित किया जाता है। 31–03–2015 को समाप्त वर्ष के लिए दिल्ली शाखा के लेन-देन का विवरण इस प्रकार है:—

		रु०
1.	बीजक मूल्य पर आरम्भिक स्टॉक	2,67,000
2.	शाखा को प्रेषित माल (जिमसें 31 मार्च, 2015 को रु० 15,000 बीजक मूल्य का माल शामिल है जो वर्ष के समाप्त होने से पहले शाखा को प्राप्त नहीं हुआ है)	7,83,000
3.	मुम्बई शाखा से प्राप्त माल	6,000
4.	मुम्बई शाखा को अंतरित माल	51,000
5.	शाखा द्वारा प्रधान कार्यालय को माल वापसी	11,700
6.	उधारी ग्राहकों ने शाखा को माल वापस किया	5,700
7.	उधारी ग्राहकों ने सीधे प्रधान कार्यालय को माल वापस भेजा	1,200
8.	बिक्री मूल्य पर ग्राहकों को स्वीकृत छूट (माल भेजते समय इसका संज्ञान पहले से ही ले लिया गया)	1,000
9.	स्टॉक के खराब तथा बर्बाद होने के कारण (लागत पर) सामान्य हानि	1,000
10.	मार्ग में हुई हानि (बीजक मूल्य पर) रु० 6,600 जिसके विरुद्ध बीमा दावे में, बीमा कम्पनी से पूर्ण निपटारे में रु० 4,000 प्राप्त हुए	
11.	नगद बिक्री रु० 32,000 तथा उधार विक्रय रु० 7,29,400	
12.	शाखा के खर्चे (बीमा व्यय सहित) रु० 50,000	
13.	बट्टे खाते रु० 1,000 तथा ग्राहकों को छट दी रु० 500	

यदि शाखा में भौतिक सत्यापन के आधार पर, उसकी अपनी लागत पर अन्तिम स्टॉक रु० 2,00,000 हो तो शाखा स्टॉक खाता, शाखा समायोजन खाता तथा शाखा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए। 8

Or (अथवा)

(a) Explain the procedure of incorporating the Branch Trial Balance in H.O. Books.

शाखा की परीक्षण तालिका को प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में सम्मिलित करने की प्रक्रिया को समझाइए। 2

(b) C Enterprises with their H.O. at Rajasthan has a branch at Delhi. The goods are supplied to branch at 25% less than the list price which is cost plus 100% of cost. The Head Office also supplies goods to its dealers at the same price at which they are supplying to its branch at Delhi.

From the following particulars, prepare Trading and P&L A/c of the H.O. and that of its Branch: –

	Head Office	*Delhi Branch*
	Rs.	Rs.
Opening Stock	60,000	33,000
Purchases during the year	45,00,000	–
Goods sent to Branch	18,70,000	–
Goods received from H.O.	–	18,70,000
Goods sold to dealers	25,10,000	–
Goods sold to customers at list price	32,00,000	24,00,000

सी० एन्टरप्राईज़िज़, जिनका प्रधान कार्यालय राजस्थान में है, की दिल्ली में एक शाखा है। शाखा को माल अंकित मूल्य (जो लागत जमा 100% है) से 25% कम मूल्य पर प्रेषित किया जाता है। प्रधान कार्यालय अपने डीलरों को भी इसी मूल्य पर (जिस पर शाखा को देते हैं) माल भेजता है।

आगे दिए गए ब्यौरे के आधार पर प्रधान कार्यालय तथा उसकी शाखा का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए: 8

	प्रधान कार्यालय	**दिल्ली शाखा**
	रु०	रु०
आरम्भिक स्टॉक	60,000	33,000

P.T.O.

वर्ष के दौरान क्रय	45,00,000	–
शाखा को प्रेषित माल	18,70,000	–
प्रधान कार्यालय से प्राप्त माल	–	18,70,000
डीलरों को माल विक्रय	25,10,000	–
ग्राहकों को अंकित मूल्य पर बिक्री	32,00,000	24,00,000

6. (a) What is Gradual (Piecemeal) distribution of cash?

नगद का क्रमिक (हिस्से-हिस्से) वितरण क्या होता है? 2

(b) R, Z and T shared profits and losses in the ratio of 5 : 3 : 2 respectively. On 31st March, 2015, their balance sheet was as follows: –

Liabilities	*Rs.*	*Assets*	*Rs.*
Trade Creditors	30,000	Furniture	11,000
Bank Loan	10,000	Stock	48,000
Capital A/C		Cash	1,000
R	30,000	P&L A/c	40,000
Z	20,000		
T	10,000		
	1,00,000		1,00,000

The Bank had a charge on all assets. Furniture realised Rs. 3,000 while the entire stock was sold for Rs. 25,000. Z's private estate realised Rs. 6,000. His private creditors were Rs. 5,000. T was unable to contribute anything. R paid one-third of what was due from him on his own account (before considering the one-third payment by him in his capital account).

Prepare Realisation Account, Cash Account, Partner's Capital Account, passing all matters relating to realisation of assets and payment of liabilities through the Realisation Account. Clearly show calculation regarding cash brought in by R.

R, Z तथा T क्रमशः 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ हानि विभाजित करते हैं। 31 मार्च, 2015 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार था:—

देयताएं	रु०	सम्पत्तियाँ	रु०

व्यवसाय के लेनदार	30,000	फर्नीचर	11,000
बैंक ऋण	10,000	स्टॉक	48,000
पूँजी खाते:		नगद	1,000
R	30,000	लाभ-हानि खाता	40,000
Z	20,000		
T	10,000		
	1,00,000		1,00,000

सभी सम्पत्तियों पर बैंक का प्रभार था। फर्नीचर से रु० 3,000 प्राप्त हुए जबकि पूरा स्टॉक रु० 25,000 में बेचा गया। *Z* की निजी सम्पत्ति से रु० 6,000 प्राप्त हुए जबकि उसकी निजी देयताएँ रु० 5,000 थीं। *T* कोई भी सहयोग राशि देने में असमर्थ था। *R* ने स्वयं ही, जो उसकी ओर से देय (अपने पूँजी खाते में एक-तिहाई भुगतान से पूर्व) था उसका एक-तिहाई हिस्सा दे दिया।

वसूली खाते के माध्यम से सभी सम्पत्तियों की वसूली तथा देयताओं का भुगतान करते हुए वसूली खाता, रोकड़ खाता तथा साझेदारों के पूंजी खाते तैयार कीजिए। *R* द्वारा लाई गई नगद राशि से संबंधित सभी गणनाएँ साफ-साफ दर्शाइए। 8

Or (अथवा)

(a) Briefly explain the Garner *Vs.* Murray rule.
गार्नम *बनाम* मरे नियम को संक्षेप में समझाइए। 2

(b) A partnership was dissolved on 30th June 2015. Its Balance Sheet on the date of dissolution was as follows: –

Liabilities	*Rs.*	*Assets*	*Rs.*
Capitals:		Cash	5,400
R	38,000	Sundry Assets	94,600
S	24,000		
M	18,000		
Loan Account of S	5,000		
Sundry Creditors	15,000		
	1,00,000		1,00,000

The assets were realised in instalments and payment was made on the

proportionate capital basis. Creditors were paid Rs 14,500 in full settlement of their account. Expenses of realisation were estimated to be Rs. 2,700 but actual amount spent on this account was Rs. 2,000. This amount was paid on 15th Sep, 2015. Draw up a statement showing distribution of cash which was realised as follows: –

	On 5th July 2015	Rs.	12,600
	On 30th August 2015	Rs.	30,000
	On 15th September 2015	Rs.	40,000

The partners shared profits and losses in the ratio of 2 : 2 : 1. Give working notes.

30 जून, 2015 को एक साझेदारी भंग की गई। उस दिन उसका तुलन-पत्र इस प्रकार था:—

ःयताएँ	रु०	सम्पत्तियाँ	रु०
्ंजी:		नगद राशि	5,400
R	38,000	विभिन्न सम्पत्तियाँ	94,600
S	24,000		
M	18,000		
का ऋण खाता	5,000		
ववभिन्न लेनदार	15,000		
	1,00,000		1,00,000

सम्पत्तियों से वसूली किश्तों में हो पाई तथा भुगतान आनुपातिक पूँजी के आधार पर किया गया। लेनदारों को रु० 14,500 देकर उनके खातों का पूर्ण निपटारा कर दिया। वसूली के अनुमानित व्यय रु० 2,700 थे किन्तु इस मद में वास्तव में रु० 2,000 ही खर्च हुए। इसका भुगतान 15 सितम्बर, 2015 को हुआ। रोकड़ का वितरण दर्शाते हुए एक तालिका तैयार कीजिए जबकि रोकड़ की वसूली इस प्रकार हुई:—

	5 जुलाई, 2015	रु०	12,600
	30 अगस्त, 2015	रु०	30,000
	15 सितम्बर, 2015	रु०	40,000

साझेदार 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ हानि बांटते हैं। समस्त परिकलन ठीक से दर्शाइये। 8